स.शि.प./जुलाइ ९९/२५०

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा
सत्संग प्रवेश
प्रश्नपत्र - १

प्रातः ९:०० से ११:१५] (रविवार, १८ जुलाई, १९९९) **कुल अंक : ७५**

सूचना : प्रश्न की दाहिनी तरफ उसके अंक दर्शाए गए हैं ।

(विभाग - १ नीलकंठ चरित्र)

प्र. १. निम्नांकित में से कोई भी दो अवतरण कौन, किससे और कब कहता है, यह लिखिए। ६

१. *''जब भी दु:ख पड़े, तब मुझे याद करना।''*
२. *''बलि बलि जाने मेरे पुत्र।''*
३. *''जो जी में आये सो कर, मै यहीं बैंठा हूँ, हम आपके शिष्य नहीं होंगे।''*
४. *''यह छिद्र दीवाल में तो नहीं है परन्तु धर्म में छिद्र है ।''*

प्र. २. निम्नांकित में से किन्हीं दो के १० - १२ पंक्तियों में कारण बताईए । ८

१. *रामानंद स्वामी नीलकंठ वर्णी पर बहुत ही प्रसन्न हुए।*
२. *नीलकंठ ने भाजी तोड़ने के लिये ना कह दी।*
३. *नीलकंठ ने सेवकराम का त्याग कर दिया।*
४. *लखुबाई रामानंद स्वामी के आश्रित नहीं हुए।*

प्र. ३. निम्नांकित में से किसी एक का विवरण किजिए। ४

१. *नरसिंह मेहता को दर्शन।*
२. *कालिय का नाश।*
३. *लोज गाँव में चमत्कारों की परम्परा।*

प्र. ४. निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दिजिए । ६

१. *रामानंद स्वामी को स्वप्न में किसने दीक्षा दी ?*
२. *जनकपुर में कौन से सरोवर के किनारे नीलकंठ आये थे ?*

३. *रघुनंदन को सजीवन करके नीलकंठ ने क्या कहा ?*
४. *नीलकंठ को पुल्हाश्रम का मार्ग किसने बतलाया ?*
५. *नीलकंठ ने रामानंद स्वामी के लिये पत्र किसके साथ भेजा ?*
६. *भारत में स्वयंभू ज्योतिर्लिंग कितने हैं ?*

प्र. ५. निम्नांकित में से किसी एक पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखकर उसका भावार्थ लिखिए । (करीब १२ पंक्तियों में) ४

१. *रामानंद स्वामी ने लालजी सुथार से कही हुई वर्णी की महिमा।*
२. *धर्मधुरा का उत्तरदायित्त्व सौंपना।*
३. *पुलहाश्रम में कड़ी तपश्चर्या।*

प्र. ६. रिक्त स्थानों की पूर्ति किजिए। ४

१. *झूले में .....की मूर्ति की जगह सबको वर्णी के दर्शन हुए।*
२. *सरयू नदी का उद्‌गम स्थान ..... है।*
३. *नीलकंठ ..... पास से अष्टांग योग सीखे।*
४. *नीलकंठ और रामानंद स्वामी का प्रथम मिलन ..... गाँव में हुआ।*

(विभाग - २ सत्संग वाचनमाला भाग - १)

प्र. ७. निम्नलिखित में से कोई भी दो अवतरण कौन, किससे और कब कहतें है, यह लिखिए । ६

१. *''हमने तो झीणाभाई को अक्षरधाम प्रदान करना है।''*
२. *''तुम्हे अब चमत्कार देखना है ?''*
३. *''आप भापकी ले रहे थे।''*
४. *''लो, यह सुखडी, आज तो सुखडी की दातुन से आरभ्भ करो।''*

प्र. ८. किन्हीं दो के कारण दिजिए । (१० - १२ पंक्तियों में) ८

१. *लाडुदान जी महाराज की परीक्षा करने के लिये तैयार हो गये।*
२. *एभल खाचर ने जीवुबा से क्षमा माँगी।*
३. *शुकमुनि को गुणातीतानंद स्वामी की अलौकिक महिमा समझ आ गई।*
४. *झीणाभाई ने अदीबा के साथ न बोलने की प्रतिज्ञा ली।*

प्र. ९. निम्नांकित प्रसंगोमें से किसी <u>एक</u> पर १० - १२ पंक्तियों में टिप्पणी लिखिए । ४

१. देवीदान से देवान्नद बने।

२. आशाभाई का समर्पण।

३. अक्षरपुरुषोत्तम उपासना में निर्गुणदास स्वामी का योगदान।

प्र. १०. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए । ६

१. नीलकंठ वर्णी को देख कर, जोबनपगी को क्या विचार आया ?

२. जेठाभगत किस मन्दिर के कोठारी थे ?

३. देवानन्द स्वामी के कीर्तन, सम्प्रदाय में किस नाम से प्रसिद्ध है ?

४. डुंगरभाई को वर्तमान दीक्षा देते शुकानंद स्वामी ने क्या कहा था ?

५. आशाभाई को किसने दिक्षा दी थी ? क्या नाम दिया ?

६. झीणाभाई की अर्थी किसने उठाई ?

प्र. ११. निम्नांकित विषयों में से किसी <u>एक</u> पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखकर उसका भावार्थ लिखिए । (करीब १२ पंक्तियों में) ४

१. वडताल में फूलदोल का उत्सव।

२. जीवुबा की भक्ति।

३. ब्रह्मानंद स्वामी की कवित्व शक्ति।

(विभाग - 3 निबंध)

प्र. १२. निम्नलिखित में से किसी <u>एक</u> विषय पर लगभग ४५ पंक्तियों में निबंध लिखे । १५

१. सच्चे स्वजन - प्रमुख स्वामीमहाराज।

२. टी.वी. - एक अभिशाप।

३. नीलकंठ के वन-विचरण का हेतु।

* * *